INDEX

o.	Date	Lesson No.	MICRO LESSONS Topic	Page No.	Remarks
	24.01.22	1.	महाभारत	1-2	
	25.01.22	2.	दोहा	3-4	
	26.01.22	3.	आदिकवि वाल्मीकी	5-6	
	27.01.22	4.	द्विगु क्रियाएँ	7-8	
	28.01.22	5.	दीप जलाओ (कविता)	9-10	
			MEGA LESSONS		
2.	29.01.22	1.	मजदूर (कविता)	11-16	
	30.01.22	2.	कबीर के दोहे	17-22	
	31.01.22	3.	हिम्मत और जिन्दगी	23-28	
	01.02.22	4.	प्रदूषण की समस्या व समाधान	29-30	
	02.02.22	5.	क्रिया व इसके भेद	31-34	
			DISCUSSION LESSON-I		
3.	03.02.22	1.	सेवा व मेद	35-38	
			SCHOOL TEACHING PRACTICE LESSONS	39-44	
4.	04.02.22	1.	सेवा	39-44	
	05.02.22	2.	विशेषण	45-50	
	06.02.22	3.	महात्मा गाँधी	51-56	
	07.02.22	4.	श्री लाल बहादुर शास्त्री	57-62	
	08.02.22	5.	दीपावली	63-68	
	10.02.22	6.	झाँसी की रानी समाधिपर	69-72	
	11.02.22	7.	प्रार्थना पत्र लेखन	73-78	
	12.02.22	8.	भाषा का अर्थ व प्रकार	79-84	

INDEX

S. No.	Date	Lesson No.	Topic	Page No.
	15.02.22	9.	हरियाणा के पर्यटन स्थल	85-88
	14.02.22	10.	लिंग व भेद	89-92
	16.02.22	11.	भारति जय विजय करे	93-98
	17.02.22	12.	भक्ति पदावली (मीराबाई)	99-104
	18.02.22	13.	विराम चिन्ह	105-108
	19.02.22	14.	काल	109-114
	20.02.22	15.	बाललीला (सूरदास)	115-118
	21.02.22	16	कबीर दास	119-122
	22.02.22	17.	मूल्य	123-128
	24.02.22	18.	परम्परा व संस्कृति का सम्मान	129-124
	25.02.22	19.	समाचार पत्र	125-130
	26.02.22	20	संधि व उसके भेद	131-136
	27.02.22	21.	सर्वनाम व भेद	137-142
			DISCUSSION LESSONS- II	
5.	28.02.22	1.	समास व इसके भेद	143-148
6.			OBSERVATION LESSONS	150-170

	Student's Activi

.....

.....Date.....

.....

rver.....

	Rating Scale
	0 1 2 3 4
	0 1 2 3 4
	0 1 2 3 4
	0 1 2 3 4
	0 1 2 3 4
	0 1 2 3 4
	0 1 2 3 4
	0 1 2 3 4

Signature of C

LESSON NO.: 1

Date: 24.01.2021 Duration of the Period: 40 Min
Pupil Teacher's Name: Pupil Teacher's Roll No:
Class: VII th Average Age of the Pupils: 13 years
Subject: Hindi Topic: महाभारत

पाठ - प्रस्तावना - 1

	छा० द्वा० क्रियाएँ	छात क्रियाएँ
(1)	किन्ही दो महाकाव्यों के नाम बताएँ।	रामायण, महाभारत
(2)	कृष्ण कथा के आधार पर महाकाव्य का कथा नाम है।	महाभारत
(3)	महाभारत की रचना किसने की?	वेदव्यास ने
(4)	महाभारत का युद्ध किन-2 के बीच हुआ।	कौरवों और पाण्डवों के बीच
(5)	कौरव कितने भाई थे।	100 भाई थे
(6)	पाण्डव कितने भाई थे।	5 भाई थे
(7)	कौरवों और पाण्डवों के गुरू का कथा नाम था।	द्रोणाचार्य
(8)	महाभारत का युद्ध किस कारण हुआ।	हस्तिनापुर राज्य को लेकर
(9)	युद्ध में पाण्डवों के सहायक कौन थे।	कृष्ण, द्रौपद, शल्य
(10)	युद्ध में कौरवों के सहायक कौन थे।	भीष्म पितामह, आचार्य द्रोणाचार्य, कृपाचार्य
(11)	अन्त में विजय किसकी हुई।	पाण्डवों की

निरिक्षण सूची

घटक	मापनी
(1) प्रश्नों की सार्थकता	1 2 3 4 5 6
(2) प्रश्नों की संक्षिप्तता	1 2 3 4 5 6
(3) भाषा की स्पष्टता	1 2 3 4 5 6
(4) व्यवहारिक शुद्धता	1 2 3 4 5 6
(5) अध्यापक की आवाज तथा शुद्धता	1 2 3 4 5 6

LESSON NO.: 2.

Date : 25.01.22 — Duration of the Period : 40 Min
Pupil Teacher's Name: — Pupil Teacher's Roll No :
Class : VII th — Average Age of the pupils: 13 years
Subject : Hindi — Topic : दोहा

व्याख्या कौशल

छात्र अ० क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
अ० उचित आरोह अवरोह हाव-भाव तथा शुद्ध उच्चारण के साथ का सस्वर वाचन करते हैं।	
"विद्या धन उद्यम बिना कहौ जु पावै कौन। बिना डुलाए ना मिले ज्यों पंखा की पौन ॥	
अ० दोहे का सार बताते हैं बच्चों इसमें कविवर वृंद जी ने विद्या धन के बारे में बताता है। कि विद्या रूपी धन जो मेहनत से ही प्राप्त किया जा सकता है	
राम को यह दोहा श्यामपट्ट पर लिखने को कहते हैं।	राम श्यामपट्ट पर दोहा लिखता है।
(1) दोहा किसके द्वारा लिखा गया है।	कविवर वृंद द्वारा
(2) कविवर वृंद ने किन धन के बारे में बताया है।	विद्या धन के बारे में बताया है।
(3) विद्या धन किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है।	विद्या रूपी धन को मेहनत से प्राप्त किया जा सकता है

निरीक्षण सूची

	वांछित व्यवहार	मापनी
(1)	उपयुक्त प्रारंभिक और निष्कर्ष कथनों का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
(2)	व्याख्या सेतुओं का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
(3)	आवश्यक बिन्दुओं पर ध्यान देना	1 2 3 4 5 6
(4)	बोध परीक्षण	1 2 3 4 5 6

	अवांछित व्यवहार	मापनी
(1)	निष्कर्ष शब्दों का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
(2)	कथनों में निरंतरता का अभाव	1 2 3 4 5 6
(3)	प्राथमिकता का अभाव	1 2 3 4 5 6
(4)	अस्पष्ट शब्दों अथवा मुहावरे का प्रयोग	1 2 3 4 5 6

LESSON NO.: 3.

Date: 26.7.22 Duration of the Period: 40 min
Pupil Teacher's name: Pupil Teacher's Roll no:
Class: VII th Average Age of the pupils: years
Subject: Hindi Topic: आदिकवि वाल्मीकि

दृष्टान्त कौशल

आज हम आदिकवि वाल्मीकि के विषय में जानेंगे। वाल्मीकि जी ने रामायण लिखी थी। हजारों वर्ष पूर्व भारत के इस सपूत के वजह से अनायास। कविता फूट पड़ी थी। इन्होंने रामायण नामक महाकाव्य लिखा। इस प्रकार से आदि कहलाए तथा महाकवि के नाम से प्रसिद्ध हुए। इसके बचपन का नाम रत्नाकर था लेकिन घोर तपस्या के कारण शरीर पर मिट्टी का टीला बन गया। इनका शरीर धावी तथा दिमकों का घर हो गया इसलिए इन्हें वाल्मीकि कहा जाने लगा।

	छा॰ अ॰ क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
(1)	बच्चों वाल्मीकि की प्रमुख रचना कौन सी है।	रामायण
(2)	वाल्मीकि जी का पहला नाम क्या था।	रत्नाकर
(3)	राम-राम का मन्त्र इन्हें किसने दिया।	नारद मुनी ने
(4)	वाल्मीकि जी के चारों ओर क्या लग गया।	वाल्मीकि

निरीक्षण सूची

वांछित व्यवहार	मापनी
(1) उपयुक्त प्रारंभिक और निष्कर्ष कथनों का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 6
(2) व्याख्या सेतुओं का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 6
(3) आवश्यक बिन्दुओं पर ध्यान देना	0 1 2 3 4 5 6
(4) बोध परीक्षण	0 1 2 3 4 5 6

अवांछित व्यवहार	मापनी
(1) निरर्थक कथनों का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 6
(2) कथनों में निरन्तरता का अभाव	0 1 2 3 4 5 6
(3) प्रभाविकता का अभाव	0 1 2 3 4 5 6
(4) अनुपयुक्त शब्दावली और अस्पष्ट शब्दों का प्रयोग	0 1 2 3 4 5 6

LESSON NO.: 4.

Date: 27.01.22 Duration of the Period: 40 min

Pupil Teacher's Name: Pupil Teacher's Roll No.:

Class: VII th Average Age of the pupil: 13 years

Subject: Hindi Topic: द्विगु क्रियाएँ

प्रश्न कौशल

छात्र अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
छा० अ० एवम चार्ट छात्रों के सामने प्रस्तुत करेंगे जिस पर लिखा होगा पंसेरी, चौराहा, पचानत त्रिवेणी इत्यादि	सभी छात्र ध्यान से देखेंगे और पढ़ेंगे।
अ० बच्चों से पूछेंगें इन शब्दों का क्या अर्थ है। अ० बताएगें कि जिन शब्दों का विग्रह करने पर सख्यावाची शब्द पहले तथा बाद में समूह आता है वह द्विगु समास होता है।	छात्र बताएगे पाँच सेतु का का समूह चार राहे पाँच युक्त वाक्य आदि छात्र ध्यान पूर्वक पुछेंगें
अ० छा० से द्विगु समास की परिभाषा पूछेंगें। अ० बताते है कि जिस शब्द का पहला पद सख्यावाची तथा दूसरा समूहवाची हो उसे द्विगु समास कहते है।	छा० उत्तर देने का प्रयास करेगें
छा० अ० छात्रों से नि० लि० शब्दों में द्विगु बताने को कहते है।	छात्र अर्थपूर्ण ग्रहण करेगें

		"त्रिमासिक"
(1)	हमारे विद्यालय मे 4 त्रिमासिक परिक्षाएँ होती है	
(2)	हमारा शरीर पंचतत्व से बना है।	

निरीक्षण सूची

	घटक	मापनी
(1)	उदाहरणों की सार्थकता	0 1 2 3 4 5 6
(2)	उदाहरणों की सरलता	0 1 2 3 4 5 6
(3)	उदाहरणों की रोचकता	0 1 2 3 4 5 6
(4)	माध्यम तथा उपयुक्तता	0 1 2 3 4 5 6
(5)	विधि तथा उपागम की उपयुक्तता	0 1 2 3 4 5 6

LESSON NO.: 5.

Date : 28.01.28 Duration of the period: 35 Min

Pupil Teacher's Name: [illegible] Pupil Teacher's Roll NO: [illegible]

Class : VII th Average Age of the pupils: 13 years

Subject: Hindi Topic : दीप जलाओ (कविता)

उद्दीपन कौशल

छा० अ० कथन : छा० अ० बताते है कि (जगदीश चन्द्र) सुंद द्वारा रचिता (कविता) "दीप जलाओ" कविता मे कवि कहते है कि जो लोग इस संसार की अंधेरी गलियों में भटक जाते है। युद्ध होने से कमजोर हो जाते है, ऐसे व्यक्तियों के मन मे एक आशा का दीप जलाना चाहिए जो इसके अन्धकार को मिटाकर इनको प्रकाश मे ला सकता है। यदि हम साक्षर होते तो हम देश की उन्नति करेगें। विश्व में सम्मान प्राप्त करेगें। यह विजय श्री रामचन्द्र जी ने रावण की लंका दहन के समय ही प्राप्त की है। भारतवासियों अपने मन में आशा के दीप जलाए रखो।

	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएं
(1)	कविवर श्री जगदीशचन्द्र सुंद ने कौन सी कविता लिखी।	"दीप जलाओ"
(2)	अंधेरी गलियों में कौन-कौन से लोग भटक जाते है।	कुसंगति के शिकार व्यक्ति
(3)	हमे मन में कौन सा दीप जलाए रखना चाहिए।	आशा की दीप जलाए रखना चाहिए।
(4)	क्या चीज लंका दहन के समान विजय है।	साक्षर होना

निरीक्षण सूची

घटक	मापनी
(1) उपर्युक्त प्रारंभिक शिक्षा तथा निष्कर्ष कथनों का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
(2) आरंभ सेतुओं का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
(3) आवश्यक बिन्दुओं पर ध्यान देना	1 2 3 4 5 6
(4) बोध परीक्षण	1 2 3 4 5 6

अवांछित व्यवहार	मापनी
(1) निरीक्षण कथनों का प्रयोग	1 2 3 4 5 6
(2) कथनों में निरन्तरता का अभाव	1 2 3 4 5 6
(3) प्रभाविकता का अभाव	1 2 3 4 5 6
(4) अनुपयुक्त शब्दावली व असपस्त शब्दों, मुहावरो का प्रयोग	1 2 3 4 5 6

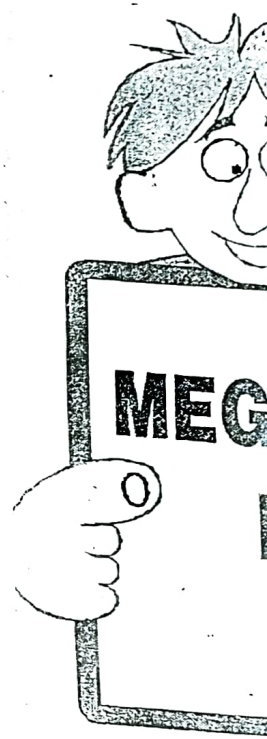

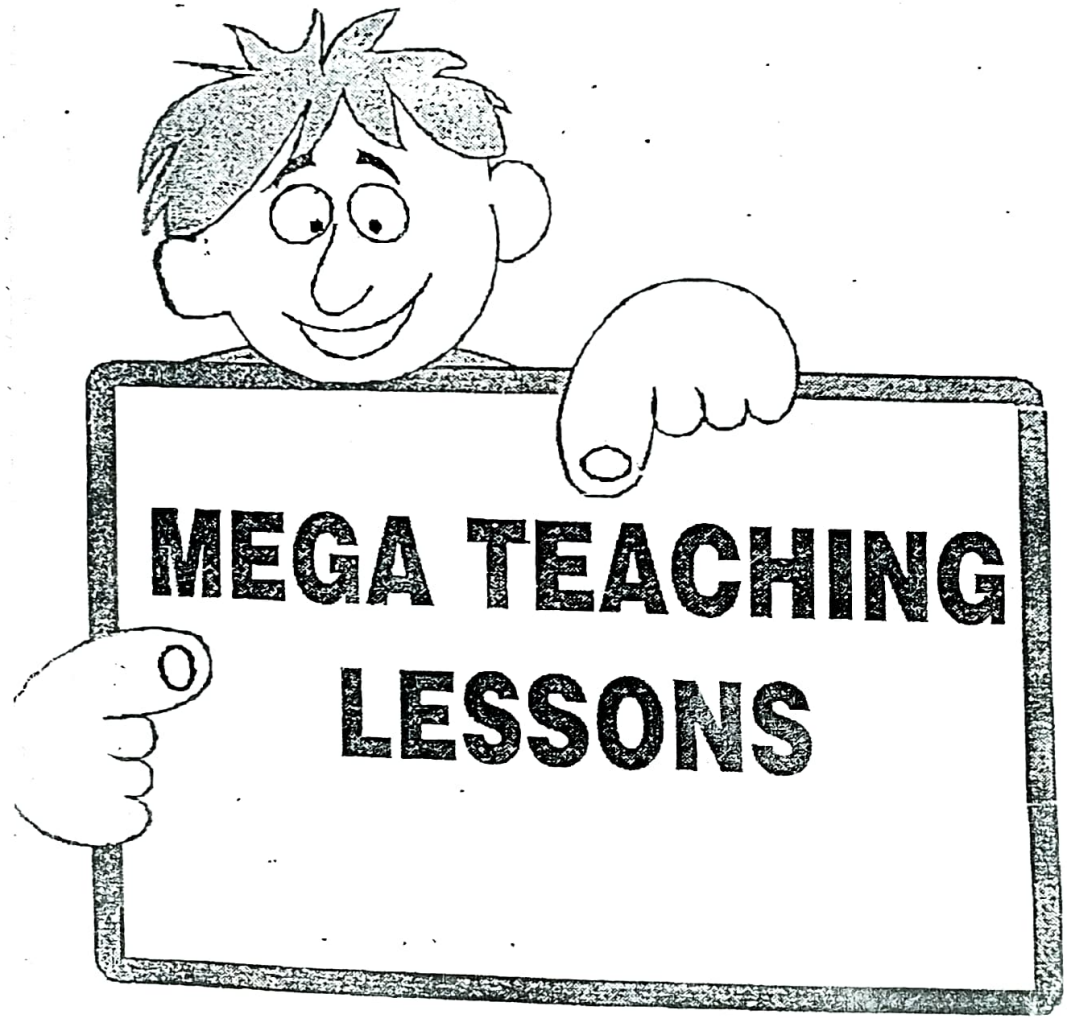
MEGA TEACHING
LESSONS

LESSON NO.: 1

Date: 22.01.22
Duration of the period: 35 Min
Pupil Teacher's Name: [redacted]
Pupil Teacher's Roll No.: [redacted]
Class: VII th
Average Age of the pupils: 13 years
Subject: Hindi
Topic: मजदूर (कविता)

अनुदेशात्मक उद्देश्य

(1) छात्र कविता की भाषा बता सकेगें।
(2) छात्र कठिन शब्दो का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।
(3) छात्र कविता का ग्रहण समझ सकेगें।
(4) छात्र कविता के व्यक्त विचारो को ग्रहण कर सकेगें।

**(अनुदेशात्मक सामग्री)

सामान्य सामग्री - श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतन

प्रारम्भिक व्यवहार -

छा० अ० यह अनुमान लगाते है कि छात्र मजदूर के बारे में सामान्य जानकारी रखते है।

पूर्वज्ञान परीक्षा -

छा० अ० छात्रो के पूर्वज्ञान पर आधारित निम्न प्रश्न पूछेगें।

	छा० अ० क्रियाए	छा० क्रियाए
(1)	हम किस देश मे रहते है।	भारत मे
(2)	हमारे देश की अधिकतर जनसंख्या कहाँ निवास करती है।	गॉवो मे
(3)	खेतो मे कौन कार्य करता है।	मजदूर

उपविषय की घोषणा -

छा० अ० अंतिम प्रश्न का उत्तर न

पाकर यह घोषणा करते हैं कि बच्चो आज हम
मजदूर कविता का विषय पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण -

(1) छात्रो का सक्रीय सहयोग लिया जाएगा।
(2) कविता को रूचीकर बनाया जाएगा।

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
सार	छा० अ० आरोह अवरोह उचित लय गति एवं ताला द्वारा कविता तथा सस्वर वाचन करते हैं मैं मजदूर मुझे देवो की बस्ती की क्या अंगिणत वार धरा पर मैंने सर्वस्य बनाए अम्बर पर जितने तारे उतने वर्षों से मेरे पुरखो ने धरती को सुंदरतम करने में कई वर्ष बीत गए कई पीढ़ियों वर्ष हमारा और हमारा ओर अभी आने वाली सदियों से मेरे वंशज धरती का सुधार करेंगे। इस व्यासी के हित में ही लाया था हिमगिर चिर सुखद	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं	श्यामपट्ट
	गंगा की निर्मल धारा मैंने रेगिस्तान की रेती धो-धोकर बंजर धरती पर भी स्वर्णिम पुष्प खिलाए।		
कठिन शब्दों के अर्थ	छा० अ० श्यामपट्ट पर कठिन शब्दो के अर्थ लिखते हैं। अभाव - कमी अनगिणत - असंख्य पुरखा - पूर्वज हिमगिरी - हिमालय पर्वत वड्या - बंकर छा० अ० स्वयं कविता का सस्वर वाचन करने के बाद छात्रों से कविता का सस्वर वाचन करवाते हैं।	शब्दों के अर्थ लिखते हैं।	
अनुकरण वाचन व्याख्या	छा० अ० कविता की व्याख्या करते हुए कहते हैं इसमे मजदूर अपनी जीवन गाथा सुनाते हुए कहते हैं कि मैं तो एक मजदूर हूं। मुझे देवताओं की नगरी से क्या मतलब। इस धरती पर स्वर्ग जैसे महल बनाए हैं। आकाश में जितने तारे हैं उतने सालों में ऐसा बन रहा है। मेरे पूर्वजों ने इस धरती के		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अ० क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	रंग रूप को संवारा है, धरती को सुंदर बनाने की ममता में हमारी कई पीढ़ियां बीत चुकी है और भविष्य में आने वाली पीढ़ियां मे इसे और सुन्दर बनाएंगा इसे और सुन्दर बनाने के लिए प्यासी धरती के लिए गंगा की धारा को लाया था। मैंने रेगिस्तान की रेती को धो-धोकर बंजर भूमि पर सोने के फूल खिलाये है। इस कविता में कवि देवराज दिनेश ने इस कविता को सरल बनाया।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुन रहे हैं।	

मूल्यांकन :-

छा० अ० पढ़ाए गए पाठ का मूल्यांकन करने के लिए छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेंगे।

(1) खेतों में कौन कार्य करता है।

(2) मजदूर किसके लिए सोने का महल बनाता है।

(3) जिसने इस धरती के रंग रूप को संवारा है।

गृहकार्य :-

छा० अ० छात्रों को निम्न कार्य घर से करके लाने को कहेंगे।

(1) मजदूर कविता के भावार्थ को लिखकर व याद करके लाना है।

(2) इस कविता को घर से याद करके लाना है।

LESSON NO.: 2.

Date : 30.01.22 | Duration of the period : 35 Min
Pupil Teacher's Name : [illegible] | Pupil Teacher's Roll NO. [illegible]
Class : VII th | Average Age of the Pupils : 13 years
Subject : Hindi | Topic : कबीर के दोहे

अनुदेशात्मक उद्देश्य

(1) छात्र दोहे का अर्थ जान सकेगें।
(2) छात्र दोहे का महत्व समझ सकेगें।
(3) छात्र अपने जीवन में कबीर के दोहे की शिक्षा का प्रयोग कर सकेगें।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

सामान्य सामग्री - श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतक
विशिष्ट सामग्री - रंग चार्ट जिस पर कबीर के दोहे लिखे है।

प्रारंभिक व्यवहार :-

छा० अ० यह अनुमान लगाते है कि छात्र कबीर के जीवन के बारे मे जानकारी रखते है

(1)	कविता किसे कहते है।	जो गाए जा सके
(2)	पाँच प्रमुख कवियों के नाम बताओ।	मीरा, तुलसीदास, निराला कबीर दास, सूरदास
(3)	निर्गुण कवि किसे कहते है।	जो भगवान को निराकार रूप से माने।
(4)	निर्गुण धारा के कवि किसे माना जाता है।	कोई उत्तर नहीं

उपविषय की घोषणा

अंतिम प्रश्न का उत्तर ना पा छा० अ० घोषणा करते है कि बच्चों हम कबीर के दोहे पढेंगें।

प्रस्तुतीकरण

(1) दोहे का सस्वर वाचन किया जायेगा।

(2) श्यामपट्ट का प्रयोग किया जायेगा।

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
कवि परिचय	छा० अ० छात्रों को कबीर के जीवन के बारे में बताते हुए कहते है कि कबीर का जन्म (काशी में 1065 ई०) को हुआ था	छात्र कबीर का जन्मस्थान तिथि अपनी कॉपी में नोट कर रहे है।	
	छा० अ० बताते है कि कबीर विधवा ब्राह्मणी के संतान थे। लोगों के भय से इनकी माता ने इन्हे लहरतारा नामक तालाब के किनारे पर छोड दिया यहाँ से नीरू व नीमा नामक जुलाहा ने इन्हे उठाया और इनका पालन पोषण किया		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	वे भगवान के निर्गुण रूप में विश्वास रखते थे छात्र अध्यापक विद्यार्थियों को बताते हुए कि कबीर ने दोहे में पाखण्ड का विरोध किया है। सदा जीवन मन की बुराइयों को दूर रखने की प्रेरणा देता है।		
कबीर का दोहा और आदेश वाचन	छा० अ० श्यामपट्ट पर दोहा लिखते है। बाँसुरी सुख ना रैनि सुख ना सुख सुपने नाहि कबीर बिछुड़े राम सौं ना सुख धूप न छाँह।	छात्र ध्यान-पूर्वक अपने उत्तरपुस्तिका में उतारेंगे।	शब्द- अर्थ बासुरी-दिन रैनि -रात साईं- भगवान
	छा० अ० दोहे का सस्वर करते है। बाँसुरी - दिन रैनि - रात		
	छा० दोहे की व्याख्या करते हुए कहते है कि श्री राम की बिछुड़े व्यक्ति को दिन मे आराम ना रात मे यहाँ तक कि उसे सपना मे चैन नहीं मिलता		

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
भावार्थ	भाव यह है कि राम भक्त छात्र ध्यान को राम से अलग होने पूर्णत अर्थ पर चैन नहीं मिलता चाहे वो समस्त उसे कितना भौतिक सुख रहे है। प्राप्त हो। छा० अ० श्याम. पट्ट पर कबीर का एक दोहा लिखते हैं।		
कबीर के दोहे	साईं इतना दीजिए जामे कुटुम्ब समाए, मैं भी भूखा न रहूं, साधु न भूखा जाए।		
आदर्श वाचन	छा० अ० दोहे का आदर्श वाचन करते हैं और कठिन शब्द लिखते हैं। साईं - भगवान कुटुम्ब - परिवार		
व्याख्या	छा० अ० दोहे का अर्थ बताते हुए कहते हैं कि भगवान आप मुझे इतना दीजिए जिससे मेरे परिवार का निर्वाह हो सके। मैं भी भर पेट खा		

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	सकूं और मेरे घर आने वाला अतिथि भी भूखा न रहे।		
विशेष	कबीर जी को जितनी जरूरत है उतनी की माँग भगवान से की है।		

मूल्यांकन –

पाठ का मूल्यांकन करने के लिए छा० अ० छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेंगे

(1) कबीर ने किस बात का विरोध किया है।

(2) मनका रैनि बाँसुरी का क्या अर्थ है।

गृहकार्य :-

छा० अ० छात्रों को घर से कबीर के दोहे की व्याख्या करके लाने को कहते हैं।

LESSON NO.: 3.

Date :- 31.01.22	Duration of the period : 35 Min
Pupil Teacher's Name:	Pupil Teacher's Roll No:
Class :- VIIth	Average Age of the pupils: 13 years
Subject: Hindi	Topic : हिम्मत और जिन्दगी

अनुदेशात्मक उद्देश्य

(1) छात्र गद्यांश मे दिये गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण कर सकेगें।

(2) छात्र गद्यांश मे आए हुए शब्दों को अपने वाक्य मे प्रयोग कर सकेगें।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

सामान्य सामग्री - कक्ष श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतक

प्रारंभिक व्यवहार :-

छा० अ० यह अनुमान लगाते है। छात्र हिम्मत और जिन्दगी के विषय में समान्य जानकारी रखते होंगे।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छा० अ० छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार पर निम्न लिखित प्रश्न पुछेगें।

	छा० अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1)	निबन्ध और गद्यांश कौन लिखते है।	लेखक और लेखिका
(2)	लेखक और लेखिका के नाम बताओ।	रामधारी सिंह दिनकर, महादेवी वर्मा, मैथिली शरण गुप्त
(3)	राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित पाठ का नाम बताओ।	कोई उत्तर नही

उपविषय की घोषणा :-

अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर पाकर छा० अ० आपने उपविषय की घोषणा करते हैं कि आज हम हिमालय और जिन्दगी नामक पाठ पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

(1) पाठ को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जाएगा।

(2) पाठ को पढ़ाते समय छात्रों का सहयोग लिया जाएगा।

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं	श्यामपट
लेखन परिचय	छा० अ० सर्वप्रथम संक्षेप में पाठ के लेखक और आवश्यक बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेंगे (हिम्मत और जिन्दगी) नामक पाठ पर लेखन साहित्यकवि रामधारी सिंह दिनकर जी हैं इनका जन्म 1908 में बिहार प्रदेश में हुआ। दिनकर जी का पद्य और गद्य दोनों पर समान अधिकार है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे और उत्तर-पुस्तिका में उतारेंगे।	
पाठ का सार	छा० अ० बच्चों का पाठ का सार बताएंगे इस पाठ		

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं	श्यामपट
	में जीवन की महत्ता को उजागर किया है जीवन का असली आनन्द वही आदमी ले सकता है जो स्वयं परिश्रम करेगा। जिन्दगी का असली मजा परिश्रम से ही निहित है उन्होंने जीवन भर आराम से न बैठकर निरन्तर परिश्रम करने का आदेश दिया है।		
	छा० अ० छात्रों से अपनी पाठ्य पुस्तक हिन्दी गद्य भाग की पृष्ठ सं० - 01 खोलने के लिए कहेंगे और उचित शुद्ध उच्चारण एवम विराम चिन्हों को ध्यान में रखते हुए गद्यांश का वाचन करेंगे छा० अ० छात्रों से गद्यांश का सस्वर वाचन करने के लिए निर्देश देंगे।	छात्र उत्तर पुस्तिका में उतारेंगे।	
कठिन शब्दों के अर्थ	छा० अ० कठिन शब्दों के अर्थ छात्रों को बताएंगे।		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अ० क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	शब्द अर्थ प्रमाद - आनन्द परिश्रम - मेहनत जिन्दगी - जीवन पर्यायवाची		
व्याख्या	अमृत - पीयुष, सुधा.		
व्याख्या	छात्र अ० बच्चों को व्याख्या करके बताते हुए कहते है जो भीगने के खौफ से पानी से बचते है समुन्द्र में डूब जाते है और जिन्हें लहरों में तैरने का अभ्यास हो वे मोती लेकर बाहर आएगें जो लोग परिश्रम और हिम्मत वाले है वे मोती लेकर बाहर आएगें। छात्र अ० को व्याख्या करके यह बताने की कोशिश करते है कि जो भी व्यक्ति परिश्रम और हिम्मत करते है वह जीवन में सफल होते है और लक्ष्य को प्राप्त करते है।	छात्र उत्तर-पुस्तिका में उतारेंगे।	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अ० क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
निष्कर्ष	इस पाठ के अंतर्गत जीवन की महत्ता को उजागर किया है। जीवन का असली आनन्द वही आदमी ले सकता है जो स्वयं परिश्रम करेगा। जीवन का असली मजा परिश्रम में ही निहित हैं उन्होंने जीवन भर आराम से न बैठकर निरंतर परिश्रम करने का आदेश दिया है	छात्र उत्तर पुस्तिका में नोट कर रहे है।	
	छात्र अ० छात्रों से अपनी पाठ्य पुस्तक के गद्य भाग से लिया गया है। छात्र उचित उच्चारण एवम् विराम चिन्हों को ध्यान में रखते हुए गद्यांश का वाचन करते हैं। छात्र अध्यापिका छात्र से पाठ का सस्वर वाचन करने के लिए निर्देश देते है तथा उत्तर पुस्तिका में मुख्य बिन्दुओं को उतारने के लिए कहते हैं।		

मूल्यांकन :-
छा० अ० पढ़ाए गए पाठ का मूल्यांकन करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेगें।

(1) लेखक ने उपर्युक्त गद्यांश में किस व्यक्ति की ओर संकेत किया है।

(2) कौन - कौन से व्यक्ति समुन्द्र से मोती लेकर बाहर आएगें।

गृहकार्य :-
छा० अ० छात्रों को निम्न कार्य घर से करने को कहेगें।

(हिम्मत और जिन्दगी) पाठ का सार अपने शब्दों में लिखो।

LESSON NO: 4.

Date: 01.02.20 | Duration of the period: 55 Min
Pupil Teacher's Name: | Pupil Teacher's Roll NO.:
class: VII th | Average Age of the pupils: 13 years
Subject: Hindi | Topic: प्रदूषण की समस्या का समाधान

अनुदेशात्मक उद्देश्य

(1) छात्र निबन्ध के बारे में जानकारी प्राप्त करेगें।
(2) छात्र निबन्ध लेखन के प्रति रुचि बढ़ा सकेगें।
(3) छात्र निबन्ध के माध्यम से भिन्न-भिन्न पहलुओं को जान सकेगें।

अनुदेशात्मक सामग्री :-
समान्य सामग्री - श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतन
विशिष्ट सामग्री - पर्यावरण प्रदूषण को दर्शाता चार्ट

प्रारम्भिक व्यवहार :-
छा० अ० के पूर्वज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न पूछेगें।

	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं
(1)	आज का युग किसका युग है।	विज्ञान का
(2)	विज्ञान ने हमें क्या-क्या प्रदान किया है।	यातायात, संचार, चिकित्सा
(3)	विज्ञान अभिशाप किस प्रकार है।	कोई उत्तर नहीं

उपविषय की घोषणा :-
छा० अ० अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर न पाकर यह घोषणा करते है कि बच्चो आज हम "प्रदूषण की समस्या का समाधान" पर चर्चा

करेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

(1) पाठ को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जाएगा
(2) पाठ को प्रश्नोत्तर विधि के द्वारा पढ़ाया जाएगा।

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं	श्यामपट्ट
भूमिका	छा० अ० प्रदूषण निबन्ध प्रारंभ करने से पहले बताते हैं कि आज का युग विज्ञान का युग है। आधुनिक युग में विज्ञान के नए-नए चमत्कार दिखाई देते हैं इन आविष्कारों ने जीवन को सुविधा जनक बना दिया है। विज्ञान ने यहाँ मानव को वरदान दिया है। वहाँ अभिशाप भी दिया है। प्रदूषण भी विज्ञान प्रदत्त एक अभिशाप है। आज प्रदूषण एक देश तक सीमित न रह कर विश्व व्यापि समस्या बन गया है जिसमें सम्पूर्ण मानव जीवन ग्रस्त है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
	छा० अ० श्यामपट्ट पर लिखते हैं कि प्रदूषण शब्द दूषण में (प्र) उपसर्ग लगाकर बना है जिसका शाब्दिक अर्थ है।		

***

LESSON NO.: 5.

Date: 02.02.22
Duration of the period: 35 min
Pupil Teacher's Name:
Pupil Teacher's Roll No:
Class: VII th
Average Age of the pupils: 13 years
Subject: Hindi
Topic: क्रिया व इसके प्रकार

अनुदेशात्मक उद्देश्य

(1) छात्र क्रिया का अर्थ जान सकेंगे।
(2) छात्र सकर्मक व अकर्मक क्रिया में अन्तर समझेंगे।
(3) छात्र सकर्मक व अकर्मक क्रिया की परिभाषा दे सकेंगे।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

सामान्य सामग्री - श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतक
विशिष्ट सामग्री - चार्ट जिस पर क्रिया के विभिन्न उदाहरण है।

प्रारम्भिक व्यवहार :-

छा० अ० छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार पर निम्न प्रश्न पूछेंगे।

छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं
छा० अ० छात्रों को चार्ट दिखाकर प्रश्न पूछते हैं।	छात्र चार्ट को ध्यान से देखते हैं।
(1) लड़की क्या कर रही है।	खाना पका रही है।
(2) लड़का क्या कर रहा है।	दौड़ रहा है।
(3) वह क्या कर रहा है।	तैर रहा है।
(4) लड़के क्या कर रहे हैं, खाना, दौड़ना, तैरना, पढ़ना। इन्हें व्याकरण की दृष्टि से क्या कहते हैं।	पढ़ रहे हैं असंतोष जनक उत्तर

उपविषय की घोषणा :-

छा० अ० अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर पाकर यह घोषणा करते हैं कि आज हम "क्रिया" के बारे में पढ़ेंगे"।

प्रस्तुतीकरण :-

पाठ को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जाएगा।

शिक्षण बिंदु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
क्रिया	छा० अ० बताते हैं कि जिस पद से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो उसे क्रिया कहते हैं। जैसे- खाना, पढ़ना, लेना, दौड़ना आदि।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुन व उत्तर-पुस्तिका में उतार रहे हैं	
क्रिया के भेद	छा० अ० बताते हैं कि यदि दौड़ना, पढ़ना, खाना आदि क्रिया शब्दों में से यदि "ना" निकाल दिया जाए उसे धातु कहते हैं, जैसे- दौड़, पढ़, खा आदि।		
अकर्मक क्रिया	क्रिया के दो भेद हैं :- (1) अकर्मक क्रिया (2) सकर्मक क्रिया छा० बताते हैं कि जिन क्रियाओं को कर्म की आवश्यकता नहीं होती उन्हें अकर्मक क्रिया		

शिक्षण बिंदु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	कहते हैं, जैसे - आना, जाना, रोना, बैठना, खाना आदि।		
सकर्मक क्रिया	जिन क्रियाओं को कर्म की आवश्यकता नहीं होती उन्हें सकर्मक क्रिया व कॉपी कहते हैं, जैसे - लिखना, पढ़ना, गहना बेचना, सौंपना बनाना आदि। (1) मैंने गीता को यह बात बताई (2) बच्चों ने पिताजी को एक गाना सुनाया (3) किराएदार का मकान गिराया	छात्र ध्यान-पूर्वक सुन व कॉपी में नोट कर रहे हैं।	क्रिया के भेद (1) अकर्मक क्रिया (2) सकर्मक क्रिया
द्विकर्मक क्रिया	कुछ सकर्मक क्रियाओं के 2 कर्म प्रयुक्त होते हैं, ऐसी क्रियाओं को द्विकर्मक क्रियाएँ कहते हैं। अकर्मक क्रिया से भी सकर्मक क्रिया बनती है, जैसे - उड़ना-उड़ाना, करना - करवाना आदि।		

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं	श्या.
	जिस क्रिया के कर्ता के स्वंय कार्य करने का बोध न होकर किसी अन्य के कराये जाने का बोध होता है उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते है। जैसे- माँ नौकरानी से कपड़े धुलवाती हैं।		
	(1) प्रथम धातु में धातु के बाद (आ) जुड़ता है, जैसे- करना- कराना आदि (2) द्वितीय रूप में (वा) जुड़ता है, जैसे- करना- करवाना, पढ़ना- पढ़वाना	छात्र ध्यान पूर्वक कॉपी मे उतार रहे है।	

मूल्यांकन :-

छा० अ० पढ़ाए गए पाठ का मूल्यांकन करने लिए छात्रों से निम्न प्रश्न पुछेगे :-

(1) क्रिया किसे कहते हैं।

(2) क्रिया के कितने रूप है।

गृहकार्य :-

छा० अ० छात्रों को निम्न कार्य घर से करने को कहते है:

(1) क्रिया किसे कहते है।

(2) अकर्मक और सकर्मक क्रिया के उदाहरण दिजिए।

***

REAL
SCHOOL
TEACHING
PRACTICE LESSONS

LESSON NO.: 1

Date : 04.02.22 — Duration of the period : 35 Min

Pupil Teacher's Name : — Pupil Teacher's Roll No. :

Class : VII th — Average Age of the pupils : 13 years

Subject : Hindi — Topic : संज्ञा के भेद

समान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
(2) छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति करना।
(3) मनोरंजन करना।
(4) छात्रों की स्मरण की शक्ति का विकास करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य - छात्र संज्ञा को परिभाषित कर सकेगें।
बोधात्मक उद्देश्य - छात्र संज्ञा के भेदों की सूची बनाएगें।
प्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्र संज्ञा के वाक्यों का प्रयोग कर सकेगें।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

समान्य सामग्री - सधारण कक्षा-कक्ष, श्यामपट्ट, चॉक
विशिष्ट सामग्री - संज्ञा व भेदों को दर्शाता चार्ट

प्रारंभिक व्यवहार :-

छा० अ० पर अनुमान लगाते है कि हम संज्ञा के विषय में कुछ न कुछ जानकारी रखते है।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छा० अ० छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार बनाकर अपने उपविषय पर आयेगें।

छा० अ० बच्चों से कुछ प्रश्न पूछेंगे।

छा० अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1) आपका नाम क्या है।	प्रेरणा
(2) आप कहाँ रहते हैं।	रोहतक
(3) एक धार्मिक पुस्तक का नाम बताओ।	रामायण
(4) प्रेरणा, रोहतक, रामायण इन तीन शब्दों की व्याख्या करना की हिति को क्या कहते हैं।	कोई उत्तर नहीं

उद्देश्य की घोषणा :-

छा० अ० अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर ना पाकर व देकर यह घोषणा करते हैं कि बच्चों आज हम संज्ञा व भेद के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

(1) पाठ को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जाएगा।

(2) उदाहरण विधि से पढ़ाया जाएगा।

(3) श्यामपट्ट का प्रयोग किया जाएगा।

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
संज्ञा की परिभाषा	प्रदीप स्कूल जाता है। बच्चों इस वाक्य में प्रदीप क्या है। प्रदीप रोहतक में रहता है। इस वाक्य में रोहतक क्या है। सीता में मिठास है। बच्चों मिठास क्या है। जो शब्द किसी व्यक्ति स्थान या भाव का बोध कराते हैं उसे संज्ञा कहते हैं। जैसे- प्रदीप, रोहतक आदि।	व्यक्ति का नाम स्थान का नाम गुण	
संज्ञा के भेद	संज्ञा के 5 भेद है। मुख्य रूप से संज्ञा के 3 भेद हैं:- (1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (2) जातिवाचक संज्ञा (3) भाव वाचक संज्ञा (4) द्रव्यवाचक संज्ञा (5) समूह वाचक संज्ञा।	बच्चे लिख रहे हैं	
व्यक्तिवाचक संज्ञा	सरिता पढ़ती है। बच्चों सरिता क्या है। सरिता दिल्ली गई थी। बच्चों इस वाक्य में दिल्ली क्या है। सरिता चॉक से लिखती है।	व्यक्ति का नाम स्थान का नाम	

शिक्षण क्रि०	छात्र अ० क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्याम
	चॉक क्या है। "बच्चों व्यक्ति वाचक संज्ञा की परिभाषा "जिन संज्ञा शब्दों से किसी व्यक्ति वस्तु, स्थान का बोध होता है। जैसे- सरिता, दिल्ली, चॉक आदि।"	वस्तु का नाम	
जातिवाचक संज्ञा	कुत्ता भौंकता है। बच्चों कुत्ता किसका बोध कराता है। नदी पर्वत से निकलती है बच्चों नदी किसका बोध करती है। अतः जिन संज्ञा शब्दों से किसी सम्पूर्ण जाति का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- कुत्ता, नदी, लड़का आदि।	जाति का	
भाववाचक संज्ञा	गन्ने में मिठास होती है। बच्चों मिठास गन्ने का क्या है।	गुण	
	राम की लम्बाई अधिक है। बच्चों राम में लम्बाई क्या है।	आकार	
	श्याम में बुढ़ापा आ गया है बच्चों बुढ़ापा श्याम का क्या है।	अवस्था	

शिक्षण क्रि०	छात्र अ० क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	भाववाचक संज्ञा की परिभाषा जिन संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति या पदार्थ के गुण, दोष, रंग, आकार, अवस्था का बोध होता है उसे भाववाचक संज्ञा कहते है, जैसे- लम्बाई, मिठास, बुढ़ापा आदि।		
द्रव्यवाचक संज्ञा	घी खाने में अच्छा लगता है। घी क्या है।	द्रव्यवाचक	
	सोने से आभूषण बनते है। सोना क्या है। "जिन शब्दों से धातु और द्रव्य का बोध होता है उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते है। जैसे- घी, सोना आदि।"	धातु	
समूहवाचक संज्ञा	एक दल में 100 व्यक्ति है। 100 व्यक्ति का दल समूह का बोध करवाता है। विद्यार्थी कक्षा में होते है। बच्चों इसमें कक्षा समूह का बोध करवाती है। अतः जिन संज्ञा शब्दों से समूह का बोध होता है उसे समूहवाचक संज्ञा कहते है।		

मूल्यांकन :- छा० अ० अपने उपविषय का मूल्यांकन करने के लिए निम्न प्रश्न पूछेंगे।

(1) संज्ञा किसे कहते है।
(2) संज्ञा के कितने भेद है।
(3) 'राम' शब्द कौन सी संज्ञा है।

गृहकार्य :- छा० अ० अपने उपविषय की गृहकार्य में करने के लिए निम्न प्रश्न पूछेंगे।

(1) राम ने रावण को मारा था।
(2) कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में गीता का उपदेश दिया था।

LESSON NO: 2

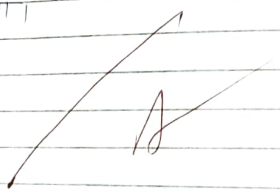

Date : [redacted] Duration of the period: 40 min
Pupil Teacher's Name: [redacted] Pupil Teacher's Roll No.: [redacted]
Class : VII th Average Age of the pupils: 13 years
Subject: Hindi Topic: विशेषण के भेद

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
(2) छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति करना।
(3) छात्रों की स्मरण का विकास करना।
(4) मनोरंजन करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य - छात्र विशेषण को परिभाषित कर सकेंगे।
बोधात्मक उद्देश्य - छात्र विशेषण के प्रकारों को सुचित कर सकेंगे।
प्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्र विशेषण शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

सामान्य सामग्री - सधारण कक्षा-कक्ष, श्यामपट्ट, चॉक
विशिष्ट सामग्री - विशेषण व उसके भेदों को दर्शाता चार्ट

प्रारम्भिक व्यवहार :- छा० अ० अनुमान लगाकर चलते है कि छात्र विशेषण के बारे में कुछ ना कुछ जानकारी रखते है।

पूर्वज्ञान परीक्षा :- छा० अ० छात्रों को पूर्वज्ञान के आधार बनाकर उपने उपविषय पर आयेगें।
छा० अ० छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगें :

छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं
(1) काला घोड़ा घास खा रहा है।	काला
(2) बच्चों घोड़े का रंग कैसा है।	काला
(3) तोते का रंग कैसा है।	हरा
(4) राम लम्बे कद का है। राम कैसा है।	लम्बा
(5) काला, हरा, लम्बा इन शब्दों को व्याख्या करने की दृष्टि से क्या कहते है।	कोई उत्तर नहीं

उपविषय की घोषणा :- छा० अ० अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर ना पाकर उपविषय की घोषणा करते हैं कि बच्चों आज हम विशेषण के विषय में पढ़ेगें।

प्रस्तुतीकरण :

(1) पाठ को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जाएगा।

(2) छात्र का सक्रीय सहयोग लिखा जाएगा।

शिक्षण बिंदु	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं	श्यामपट्ट
विशेषण की परिभाषा	गाय सुन्दर है। बच्चों गाय क्या है। आम मीठा है। आम मीठा किसका बोध कराता है। तोते की चोंच लाल होती है। लाल चोंच तोते की चोंच की विशेषता है। अतः विशेषण की परिभाषा हुई संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते है। जैसे- सुन्दर, मीठा, लाल आदि	गुण का बोध हो रहा है। छात्र अपनी कार्य पुस्तिका में लिख रहे हैं।	
विशेषण के प्रकार	विशेषण के 4 प्रकार है। (1) गुणवाचक विशेषण (2) संख्यावाचक विशेषण (3) परिमाणवाचक विशेषण (4) सार्वनामिक विशेषण		
गुणवाचक विशेषण	हिमालय त्रिकोणाकार होता है। बच्चों इस वाक्य में त्रिकोण हिमालय का क्या बता रहा है। राम पतला है। पतला शब्द राम की क्या दिखा रहा है।	गुण का बोध हो रहा है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्याम०
परिभाषा	बच्चों गुणवाचक विशेषण की परिभाषा "जिन विशेषण से संज्ञा व सर्वनाम की गुण, दोष, आकार का बोध हो उसे गुणवाचक विशेषण कहते है। जैसे- त्रिकोण, पतला आदि।"	छात्र ध्यानपूर्वक सुन व नोट कर रहे है।	
संख्यावाचक विशेषण	कक्षा में 20 विद्यार्थी है। इसमें 20 संख्या दिख रहा है। डिब्बे में 60 पेंसिल है। इसमें 60 संख्या दर्शा रहा है।		
परिभाषा	अतः जिन विशेषण शब्दों से संख्या का बोध हो उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। जैसे- 20 (बीस), 60 (साठ)। अगर हम ये शब्द नहीं लगाते तो निश्चितता नहीं होती। यहां ये शब्द हमें संज्ञा या सर्वनाम की संख्या के बारे में बता रहे है। अतः ये		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	संख्यावाचक विशेषण कहलाते है।		
परिमाणवाचक विशेषण	2 लीटर दूध। इसमें 2 लीटर दूध की मात्रा दिखा रहा है। 5 kg चावल यह क्या दिखा रहा है।	वजन दिखा रहा है।	
परिभाषा	"जिन विशेषण शब्दों से किसी वस्तु के परिमाण माप, भाव, नापतोल का बोध हो उसे परिमाण वाचक विशेषण कहते है। जैसे- 2 लीटर, 5 किलो आदि। मगर वाक्य में ये शब्द इस्तेमाल नहीं हुए होते तो हमें पता भी नहीं चलता कि कितना समान लाना है। यह शब्द संज्ञा व सर्वनाम का परिमाण बता रहे है। अतः यह परिमाणवाचक विशेषण के अन्तर्गत आते हैं।		
सार्वनामिक विशेषण	वह राम है। बच्चों यह शब्द वाक्य में किसके लिए आये है।	राम के लिए	

शिक्षण क्रि०	छात्र अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
	राम को व्याकरण की दृष्टि से क्या कहते है। यह व्याकरण की दृष्टि से क्या है।	सर्वनाम
परिभाषा	अतः जिस सार्वनामिक विशेषण की परिभाषा हुई जो सर्वनाम शब्द संज्ञा से पहले विशेषता का कार्य करता है उसे सार्वनामिक विशेषण कहते है। जैसे "वह आदमी अच्छे से काम करना जानता है।"	

मूल्यांकन :-

छात्र अ० अपने उपविषय का मूल्यांकन करने के लिए छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेंगे :-

(1) विशेषण किसे कहते है।
(2) विशेषण के कितने भेद है।
(3) संख्यात्मक विशेषण किसे कहते है।

गृहकार्य :-

छात्र अ० छात्रों को घर से निम्न कार्य करके लाने को कहते है :-

(1) गाय सफेद होती है।
(2) यह कोयल काली है।
(3) एक कप कॉफी लाओ।

***

LESSON NO.: 3

Date: 06.02.22 | Duration of the period: 35 Min
Pupil Teacher's Name: | Pupil Teacher's Roll No.:
Class: VII th | Average Age of the pupils: 13 years
Subject: Hindi | Topic: महात्मा गाँधी

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
(2) छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति करना।
(3) छात्रो की स्मरण शक्ति का विकास करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य – छात्र महात्मा गाँधी के जीवन के विषय में कुछ बता सकेंगे।
बोधात्मक उद्देश्य – छात्र गाँधीजी की देशभक्ति की भावना की व्याख्या कर सकेंगे।
प्रयोगात्मक उद्देश्य – छात्र गाँधी जी के जीवन शिक्षा लेकर इनका अपने जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

सामान्य सामग्री – कक्षा-कक्ष, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर
विशिष्ट सामग्री – महात्मा गाँधी को दर्शाता एक चार्ट

प्रारंभिक व्यवहार :-

छात्र अ० यह अनुमान लगाते है कि छात्र महात्मा गाँधी के विषय में कुछ न कुछ जानते है।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-
छात्र अ० छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार बनाकर अपने उपविषय पर आयेंगे।

छात्र अ० छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेंगे :

शिक्षण बिंदु	छात्र अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
जीवन परिचय	महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 ई० को काठियावाड़ राज्य के पोरबंदर जिले मे हुआ था। गाँधी जी के पिता श्री करमचंद गाँधी राजकोट रियासत के दीवान थे। इनकी माता श्रीमती पुतलीबाई बड़ी नम्र तथा दयालु थी। गाँधीजी का सम्पूर्ण परिवार वैष्णव था जिसका प्रभाव इन पर भी पड़ा था। तेरह वर्ष की आयु मे इनका विवाह कस्तूरबा के साथ हुआ।		
शिक्षा	सन 1887 में इन्होंने मैट्रिकुलेशन की परीक्षा उत्तीर्ण की और इसी वर्ष कानून की शिक्षा पढ़ने के लिए इंगलैण्ड चले गए। बैरिस्टरी पास करके सन् 1891 में गाँधी जी भारत वापस लौट आये और राजकोट		

शिक्षण बिंदु	छात्र अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	में वकालत प्रारंभ किया। लेकिन धर्मनिष्ठ और संकोची स्वभाव के कारण इनको इस व्यवसाय मे सफलता नहीं मिली।		
प्रश्न 1.	महात्मा गाँधी का जन्म कब हुआ था।	2 अक्टूबर 1869 मे	
प्रश्न 2.	महात्मा गाँधी जी के पिता का नाम क्या था।	करमचन्द गाँधी	
प्रश्न 3.	महात्मा गाँधी जी के माता का क्या नाम था।	श्रीमती पुतलीबाई	
जीवन पर प्रभाव	सन 1914 में गाँधी जी दक्षिणी अफ्रीका मे लौट आये और सन 1915 में इन्होंने फोनिक्स फार्म की तरह साबरमती में एक 'सत्याग्रह आश्रम' की स्थापना की। यहाँ एक विद्यालय खोला गया जिसमें बालकों तथा प्रौढ़ों को व्यवसाय और हस्त कौशल की शिक्षा दी जाती है। गाँधी जी शिक्षा के लिए भी प्रयत्नरत रहे।		

शिक्षण बिं०	छात्र अ० क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्या
राजनैतिक जीवन	सन् 1917 में अंग्रेजो के अत्याचार के विरूद्ध गाँधी जी ने चम्पारन में आन्दोलन किया। इस आन्दोलन किया। इस आन्दोलन के बाद गाँधी जी भारतीय राजनीति के क्षेत्र में आ गये और अनेक इतिहास		
आन्दोलन	प्रसिद्ध आंदोलनों का नेतृत्व किया। सन 1921 में गाँधी जी ने असहयोग आन्दोलन प्रारंभ किया। सन 1927 में देश की आर्थिक दशा सुधारने के लिए इनके द्वारा खादी आन्दोलन शुरू किया गया। सन 1930 में नमक कानुन के विरोध में आन्दोलन किया। सन 1933 में हरिजन उद्धार का संकल्प लिया। 1935 में वर्धा में ग्रामसेवक आश्रम बनाया और वहाँ रहकर ग्राम विकास का कार्य आरम्भ किया। सन 1942 में गाँधी जी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आन्दोलन प्रारम्भ किया गया। इन आन्दोलनों के दौरान		

शिक्षण बिं०	छात्र अ० क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	गाँधी जी को अनेक बार जेल जाना पड़ा और अनेक प्रकार के कष्ट उठाने पड़े। उन्हीं के प्रयत्नों के फलस्वरूप 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजी शासन को उखाड़ फेंका और भारत स्वतंत्र हुआ। देश स्वतंत्र तो हुआ लेकिन देश का विभाजन भी हुआ। विभाजन के फलस्वरूप सांप्रदायिक दंगे हुए। गाँधीजी ने इन दंगो को रोकने के लिए प्रयत्न किये		
प्रश्न 1.	गाँधी जी ने असहयोग आन्दोलन कब शुरू किया था।	1921 में	
प्रश्न 2.	गाँधी जी ने खादी आन्दोलन कब शुरू किया था।	1927 में	
प्रश्न 3.	गाँधीजी ने भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रारम्भ कब किया था।	1942 में	
प्रश्न 4.	भारत कब आजाद हुआ था।	15 अगस्त 1947 में	

INDEX

शिक्षण बिंदु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
मृत्यु	30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोड्से नामक व्यक्ति द्वारा बिरला भवन में गांधी जी की हत्या कर दी गई लेकिन फिर भी उनके द्वारा बनाए गए सिद्धांत आज भी हमारा मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।	
प्रश्न 1.	गाँधी जी की हत्या कब हुई थी।	30 जनवरी 1948 में
प्रश्न 2.	गाँधी जी हत्या किसने किया था।	नाथूराम गोड्से ने

मूल्यांकन :-

छा० अ० अपने आइडिया का उपविषय का मूल्यांकन हेतु छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेगें।

(1) महात्मा गाँधी जी का जन्म कहाँ हुआ।
(2) इनकी माता का क्या नाम था।
(3) भारत छोड़ो आन्दोलन कब चला।

गृहकार्य :-

छा० अ० छात्रों को घर से निम्न कार्य करके लाने को कहते हैं।

(1) गाँधीजी के जीवन पर अपने शब्दों में 100 शब्द लिखकर लाना है।

INDEX

CLASS - 4TH

LESSON NO.: 4.

Date: 07.02.2? Duration of the period: 35 min
Pupil Teacher's Name: [illegible] Pupil Teacher's Roll No.:
Class: VII th Average Age of the pupils: 13 years
Subject: Hindi Topic: श्री लाल बहादुर शास्त्री

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
(2) छात्रों की तर्क शक्ति का विकास करना।
(3) छात्रों की मौखिक अभिव्यक्ति करना।
(4) छात्रों की स्मरण शक्ति का विकास करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य - छात्र शास्त्री जी के जीवन परिचय कर सकेगें।
बोधात्मक उद्देश्य - छात्र शास्त्री जी के कार्यों का वर्णन कर सकेगें।
प्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्र शास्त्री जी के जीवन से शिक्षा लेंगे।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

सामान्य सामग्री - श्यामपट्ट, चौक, झाड़न, संकेतन आदि।
विशिष्ट सामग्री - श्री लाल बहादुर शास्त्री को दर्शाता एक चार्ट

प्रारंभिक व्यवहार :-

छा० अ० यह अनुमान लगाते हैं कि

INDEX

INDEX

CLASS - 4TH

ACCOUNT HEAD

छात्र लाल बहादुर शास्त्री के विषय मे पूर्वज्ञान के आधार पर कुछ ना कुछ जानते होगें।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छा० अ० छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार पर अपने उपविषय पर आयेगें।

छा० अ० छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेगें:

	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
(1)	भारत कब आजाद हुआ।	15 अगस्त 1947 मे
(2)	भारत के दुसरा प्रधानमंत्री कौन थे।	श्री लाल बहादुर शास्त्री
(3)	"जय जवान, जय किसान" का दुसरा नारा किसने लगाया	कोई उत्तर नही
(4)	श्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म कब हुआ था।	2 अक्टूबर 1904 मे

उपविषय की घोषणा :-

छा० अ० अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर ना पाकर उपविषय की घोषणा करते है कि आज हम श्री लाल बहादुर शास्त्री के बारे में पढ़ेगें।

प्रस्तुतीकरण :-

(1) निबन्ध को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जायेगा।
(2) श्री लाल बहादुर शास्त्री के बारे में पढ़ेगें।

शिक्षण बि०	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
जीवन परिचय	श्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 ई० मे हुआ था। इनका जन्म मुगल सराय उत्तर प्रदेश मे हुआ था। इनके पिता का नाम शारदा प्रसाद श्रीवास्तव था। इनके पिता प्राथमिक विद्यालय में एक शिक्षक थे। जब थे 1 वर्ष 6 महीने के थे तब इनके पिता का निधन हो गया। इनकी माता राम दुलारी अल्पावस्था में ही विधवा हो गई। बड़ी हिम्मत और साहस से लाल बहादुर का जन्म के बाद उनकी माता ने पालन पोषण किया।		
प्रश्न 1.	लाल बहादुर शास्त्री का जन्म कब हुआ।	2 अक्टूबर 1904 मे	
प्रश्न 2.	लाल बहादुर शास्त्री जी की माता का क्या नाम था।	श्रीमती राम-दुलारी	
शिक्षा	इनके बचपन का नाम नन्हे था। प्राइमरी स्कूल		

CLASS - 4TH

शिक्षण क्रि०	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं
	की शिक्षा पाने के लिए उन्हें गंगा पार जाना पड़ता था। उन्होंने मुगलसराय से छठी कक्षा उत्तीर्ण की। लाल बहादुर शास्त्री काशी विद्यापीठ के छात्र भी रहे थे। वे 6-7 मील पैदल चलकर विद्यापीठ जाते थे।	
प्रश्न 1.	शास्त्री जी का बचपन का नाम बताओ।	नन्हा
जीवन पर प्रभाव	शास्त्रीजी गाँधीजी के जीवन से बहुत प्रभावित थे। इन्होंने कई साल जेल में व्यतीत किए। शास्त्रीजी के प्रमुख गुरुओं में गोपाल कृष्ण गोखले, आचार्य नरेन्द्र देव, डाक्टर भगवान देव का नाम आता है। उन्होंने आजादी की लड़ाई में भाग लिया।	
राजनैतिक जीवन	शास्त्री जी का राजनैतिक जीवन इलाहाबाद से शुरू हुआ था। 1930 ई० में शास्त्री जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने थे। शास्त्री	

शिक्षण क्रि०	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं	श्यामपट्ट
	जी ने नेहरू के कहने पे राज्य सभा के सदस्य बन गए। केन्द्रीय मंत्रीमंडल में शास्त्री जी सर्वप्रथम रेल विभाग का कार्यभार संभाला 27 मई 1964 में नेहरू की मृत्यु के पश्चात विचार विमर्श के बाद लाल बहादुर शास्त्री को प्रधानमंत्री बना दिया।		
प्रश्न :	शास्त्रीजी कब जिला कमेटी के अध्यक्ष थे।	1930 में	
कार्य	शास्त्री जी ने देश चहुँमुखी विकास के लिए अनेक कार्य किए। इन्होंने मानव समस्याओं को आसानी से सुलझाया। देश का मार्ग प्रशस्त किया अनेक अद्भुत कार्य किया अपनी विदेश यात्राओं के दौरान विश्व बन्धुत्व तथा शांति के विषयों पर बातचीत किया। जय जवान, जय किसान का नारा लगाया। शास्त्रीजी ने देश बच्चे व शौर्यवीरता की भावना को जाग्रत किया		

CLASS - 4TH

शिक्षण बिं०	छात्र अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं	श्या०
प्रश्न :	जय जवान, जय किसान का नारा किसने दिया।	शास्त्री जी ने	
मृत्यु	शास्त्री जी का देहान्त 10 जनवरी 1966 ई० को ताशकंद (रूस) में हो गया था। यद्यपि वे हमारे मध्य नहीं है लेकिन फिर भी उन के द्वारा बनाए गए सिद्धांत आज भी हमारा मार्ग प्रशस्त कर रहे है।		

मूल्यांकन :

छा० अ० अपने उपविषय का मूल्यांकन करने के लिए निम्न प्रश्न पूछेगें।

(1) शास्त्री जी की छठी तक की शिक्षा कहाँ पर हुई।
(2) शास्त्री जी को मंत्रीमंडल में कौन सा विभाग मिला था।

गृहकार्य :

छा० अ० छात्रों से निम्न कार्य घर से कर लाने को कहेगें।

(1) शास्त्री के जीवन पर अपने शब्दों में 100 से 150 शब्द लिखकर लाना है।

LESSON NO. : 5

Date : 01.02.20 | Duration of the period : 35 Min
Pupil Teacher's Name : | Pupil Teacher's Roll No. :
Class : VII th | Avereage Age of the pupils : 13 years
Subject : Hindi | Topic : दिपावली

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
(2) छात्रों की हिन्दी शिक्षण में रुचि पैदा करना।
(3) छात्रों की तर्क-वितर्क शक्ति का विकास करना।
(4) छात्रों की मानसिक शक्ति का विकास करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य – छात्र दिपावली का अर्थ बता सकेगें।
बोधात्मक उद्देश्य – छात्र दिपावली के महत्व का वर्णन कर सकेगें।
प्रयोगात्मक उद्देश्य – छात्र दिपावली मनाने के कारण की सूचि बना सकेगें।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

सामान्य सामग्री – श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, संकेतक आदि।
विशिष्ट सामग्री – दीपावली को दर्शाता चार्ट।

प्रारंभिक व्यवहार :-

छा० अ० यह अनुमान लगाते है कि छात्र दिपावली के बारे में समान्य जानकारी रखते है।

INDEX

CLASS - 4TH

पूर्वज्ञान परीक्षा :
छा० अ० छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार पर निम्न प्रश्न पूछेंगे।

	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
(1)	हम किस देश मे रहते हैं।	भारत में
(2)	हमारे देश में कौन-कौन से पर्व मनाए जाते हैं।	दशहरा, दिपावली होली, ईद, सरहुल
(3)	आपको कौन सा पर्व अच्छा लगता है।	होली, दिपावली
(4)	दिपावली का क्या अर्थ है।	कोई उत्तर नहीं

उद्देश्य की घोषणा :-
छा० अ० अपने प्रश्न का उत्तर न पाकर यह घोषणा करते हैं कि आज हम दिपावली के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-
(1) निबन्ध प्रश्नोत्तर विधि से पढ़ाया जायेगा

(2) श्याम पट्ट पर कार्य साथ-साथ किया जायेगा।

(3) निबन्ध को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जायेगा।

(4) छात्रों का सक्रीय सहयोग लिया जायेगा।

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
दिपावली का अर्थ	दिपावली का अर्थ होता है दीपक + अवली दीप का अर्थ होता है दीपक और अवली का अर्थ है माला (पंक्ति) दिपावली का अर्थ दीपो की माला।		
प्रश्न :	दिपावली का क्या अर्थ है।	दीपो की माला	
मनाने का कारण	इस दिन रामचन्द्र जी 14 वर्ष का वनवास काटकर अयोध्या वापस आये थे। उनके वापस आने पर अयोध्या वासियों ने घी के दीपक जलाए थे इसलिए तब से यह पर्व मनाया जाता है।		
प्रश्न :	इस दिन कौन वापिस आए थे।	श्री रामचन्द्र जी लक्ष्मण और सीता	
दिपावली मनाने का समय	दिपावली का पर्व कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है।		
प्रश्न :	दिपावली का पर्व कब मनाया जाता है।	कार्तिक मास की अमावस्या को	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
दिपावली मनाने का ढंग	दिपावली मनाने का समय आने के कुछ दिन पूर्व ही लोग अपने मकानों की सफाई तथा रंग रोगन करने लग जाते है तथा बजार सजाए जाते है। दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है। लोग कई दिनों पहले से ही दीपावली की तैयारियां आरंभ कर देते हैं और अब अपने घरों प्रतिष्ठानों आदि की सफाई का कार्य आरम्भ कर देते है। लोग अपने घरो और दुकानो को साफ सुथरा कर सजाते है। भारत के सभी त्यौहारो मे सबसे सुन्दर दीवाली प्रकाशोत्सव है। गलियाँ मिट्टी के दीपको की पंक्तियो से प्रकाशित की जाती है तथा घरो को रंगो व मोमबत्तियों से सजाया जाता है। यह त्यौहार नए वस्त्रों, दर्शनीय आतिशबाजी और परिवार के साथ		

INDEX

CLASS - 4TH

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	श्यामपट्ट
	मनाया जाता है।		
प्रश्न :	दीपावली किस तरह मनाई जाती है।	नए कपड़े पहनकर	
दीपावली की दृश्य	दीपावली की रात का दृश्य अनुपम होता है। चारों तरफ रोशनी होती है। आतिशबाजी के कारण चारों ओर शोर गुल होती है।		
लक्ष्मी पूजा	इस दिन हिन्दु लोग सांझ के समय लक्ष्मी जी का पूजन करते हैं और सुख समृद्धि की कामना करते है।		
प्रश्न :	दीपावली के दिन किसकी पूजा की जाती है।	लक्ष्मी जी	
बुराइयाँ	इस पर्व के दिन कुछ लोग शराब पीते है तथा जुआ खेलते है। यह बहुत ही बुरी बात है।		
प्रश्न :	इस पर्व के प्रति हमारा कर्तव्य है कि त्यौहार को हंसी खुशी मनाएं तथा मिलजुल कर मनाएं।		

INDEX

CLASS - 4TH

मूल्यांकन :-
छा० अ० छात्रों से निम्न प्रश्न पूछेंगे

(1) दीपावली का क्या अर्थ है।

(2) यह पर्व क्यों मनाया जाता है।

(3) यह किसका प्रतीक है।

गृहकार्य :-
छा० अ० बच्चों को दीपावली के बारे में निम्न कार्य करके लाने को कहते हैं।

(1) 'दीपावली' के बारे में अपने शब्दों में 40 से 50 शब्द में लिखकर लाना है।

LESSON NO.: 6.

Date: 08.02.20	Duration of the period: 40 min
Pupil Teacher's Name:	Pupil Teacher's Roll No:
Class: VII th	Average Age of the pupil: 13 years
Subject :- Hindi	Topic: झाँसी की रानी समाधिपर

समान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
(2) छात्रों की हिन्दी शिक्षण में रूची पैदा करना।
(3) छात्रों की तर्क-वितर्क शक्ति का विकास करना।
(4) छात्रों की मानसिक शक्ति का विकास करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य - छात्रों को झाँसी की रानी की समाधि कविता से अवगत कराना।
बोधात्मक उद्देश्य - कविता के मूल को याद में रखकर।
प्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्र लक्ष्मीबाई के जीवन से मिलने वाली प्रेरणा को सपना कर

अनुदेशात्मक सामग्री :-

समान्य सामग्री - श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतन आदि
विशिष्ट सामग्री - रानी लक्ष्मीबाई का चित्र।

प्रारम्भिक व्यवहार :-
छा० अ० प्रारम्भिक यह अनुमान लगाते लगाते हैं कि छात्र रानी लक्ष्मीबाई के बारे में समान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान परीक्षा :

छा० अ० छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार पर निम्न प्रश्न पूछेंगे -

	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
(1)	हमारे देश की कुछ वीर देशभक्त महिलाओं के नाम बताओ।	लक्ष्मीबाई, इंदिरा गाँधी
(2)	रानी लक्ष्मीबाई के राज्य का क्या नाम है।	झाँसी
(3)	रानी लक्ष्मीबाई से सम्बन्धित कविताओं की कोई चार पंक्तियाँ लिखो।	कोई उत्तर नहीं

उपविषय की घोषणा :-

छा० अ० अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर ना पाकर उपविषय की घोषणा करते हैं कि आज झाँसी की रानी समाधि पर के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

(1) कविता को सरल व रोचक ढंग से पढ़ेंगे।
(2) व्याख्या विधि से पढ़ाया जायेगा।
(3) श्यामपट्ट का प्रयोग साथ-साथ किया जायेगा।

शिक्षण क्रि०	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
आदर्श वचन	बुंदेले हर बोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी		

शिक्षण क्रि०	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी की रानी थी। यह समाधि है।		
अनुकरण वचन	छा० अ० छात्रों को इस आदर्श पाठ का अनुकरण वाचन करवाया।	छात्र दोहे का सस्वर वाचन करते हैं	
शुद्ध उच्चारण	छा० अ० पद्यांश से आए कठिन शब्दों का अर्थ स्पष्ट करेंगे व श्यामपट्ट पर लिखेंगे। बुंदेलखण्ड में रहने वाले हर लोग राजाओं का यशगान करने वाले चीर सदा अंतिम लीलास्थली आखरि देने वाले स्थान।	छात्र कठिन शब्दों का उच्चारण करने का अभ्यास करेंगे।	
व्याख्या	कवियत्री लिखती है कि हमने बुंदेलखण्ड के हर बोली के मुख से यह सुना है ये समाधि पर हमेशा के लिए सो गई झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई ने अपने अंतिम साँसें छोड़ दी अर्थात इन्होंने अपना बलिदान दिया। इस कविता में रानी लक्ष्मीबाई		

शिक्षण बिंदु	छात्र अध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं
	के प्रति गद्यांश व्यक्त की गई है।	
व्याख्या संबंधी शुद्धता	इस पद्यांश में रानी लक्ष्मीबाई ने मर्दों के समान वीरता से लड़ते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था इसलिए इसमें 'वीर' शब्द का प्रयोग किया गया है। भाषा शैली सरल व सहज है।	

मूल्यांकन :-
छात्र अध्यापक छात्रों का मूल्यांकन करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।

(1) बुंदेले हर बोलो कौन है।
(2) बुंदेले हर बोलो के मुख से कौन-कौन सी कहानी सुनते है।

गृहकार्य :-
छात्र अध्यापक छात्रों को निम्नलिखित प्रश्न को करके लाने को कहेंगे।

(1) रानी लक्ष्मीबाई से सम्बंधित पंक्तियों को याद करो

CLASS - 4TH

73

LESSON NO.: 7.

Date : 10-02-20
Pupil Teacher's Name :
Class : VII th
Subject : Hindi

Duration of the period : 35 Min
Pupil Teacher's Roll No. :
Average Age of the pupils : 13 years
Topic : प्रार्थना पत्र लेखन

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना।
(2) छात्रों की हिन्दी शिक्षण में रुचि पैदा करना।
(3) छात्रों की मानसिक शक्ति का विकास करना।
(4) छात्रों का मनोरंजन करना।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :-

ज्ञानात्मक उद्देश्य - छात्र प्रार्थना पत्र को परिभाषित करेंगे।
बोधात्मक उद्देश्य - छात्र पत्र लेखन की व्याख्या करेंगे।
प्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्र पत्र लेखन करेंगे।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

सामान्य सामग्री - श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतक आदि।
विशिष्ट सामग्री - पत्र के भाग को दर्शाता चार्ट।

प्रारंभिक व्यवहार :-
छात्र अध्यापक यह अनुमान लगाते हैं कि छात्र पत्र के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

पूर्वज्ञान :-
छात्र अध्यापक छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार पर निम्न

INDEX

ACCOUNT HEAD

INDEX

CLASS - 4TH

लिखित प्रश्न पूछेंगे।

छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
(1) बच्चों आप अपने संदेश दूसरों तक कैसे पहुँचाते है।	पत्र, टेलीफोन, मो
(2) आप पत्र किसे भेजते है।	मित्र, मामा, चा
(3) पत्र में सबसे पहले क्या लिखा जाता है।	नाम का पता
(4) पत्र अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र लिखेंगे।	प्रधानाचार्य को
(5) प्रार्थना पत्र के कितने भाग होते है।	कोई उत्तर नहीं

उपविषय की घोषणा :-

छा० अ० अपने अंतिम प्रश्न क उत्तर ना पाकर यह घोषणा करते है कि आज हम प्रार्थना पत्र के बारे मे पढ़ेगे।

प्रस्तुतीकरण :-

(1) पाठ को प्रश्नोत्तर विधि से पढ़ाया जाएगा।
(2) पाठ को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जाएगा।
(3) श्यामपट्ट का प्रयोग साथ-साथ किया जाएगा।

शिक्षण बिंदु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
	छा० अ० छात्रों को यह बताएगे कि यदि हम विद्यालय से अवकाश लेना चाहते है तो उसे प्रार्थना पत्र कहते है। प्रार्थना पत्र मुख्य रूप से तीन भाग होते है।		
प्रश्न :	पत्र के मुख्य कितने भाग होते है।	3 भाग	
	प्रार्थना पत्र के आरंभ में हम जिससे प्रार्थना करते है उसका विवरण होता है। जैसे- सेवा में मुख्याध्यापक जी राजकीय उच्च विद्यालय रोहतक		
	श्रीमान जी प्रार्थना पत्र के आरंभ किया वर्णन होता है।	जिसको पत्र लिखते है।	
	यह पत्र का मुख्य भाग होता है जो अभिनन्दन के बाद आरंभ होता है।		

शिक्षण बि०	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
	इसमें प्रार्थना करने वाले से अपनी समस्या का बलिदान विकास विवरण बताया जाता है। जैसे- सविनय निवेदन यह है कि मुझे कल रात ज्वर हो गया और डाक्टर ने मुझे दो दिन का विश्राम करने की सलाह दी है। अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि मुझे तीन दिन का अवकाश प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।	
प्रश्न :	पत्र के मध्य क्या लिखते हैं।	विषय वस्तु
पत्र का अंत	पत्र के द्वारा इस अंश को सावधानी पूर्वक लिखना चाहिए। स्पष्ट व सुंदर हस्त लेखन में अपना विवरण लिखना चाहिए ताकि पहचानने में कोई कठिनाईयां न हो। जैसे- आपका आज्ञाकारी शिष्य अ० ब० स० कक्षा ----	

शिक्षण बि०	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
प्रश्न :	पत्र के इस अंश को किस प्रकार लिखना चाहिए।	सावधानी पूर्वक स्पष्ट व सुन्दर लेखन में	
परिचय	पत्र लेखन एक रोचक कला है। अभिव्यक्ति के समस्त लिखित साधनों में पत्र आज भी सबसे प्रमुख, शक्तिशाली, प्रभावपूर्ण और मनोरम स्थान रखता है। पत्र लेखन में आत्मीयता स्पष्ट दिखाई देनी चाहिए जिससे लेखक तथा पाठक दोनों समीपता का अनुभव करते हैं। लिखित भाषा का उद्देश्य सबसे अधिक पत्र लेखन द्वारा ही प्राप्त होता है। पत्र लेखन द्वारा हम दूसरों के दिलों को जीत सकते हैं, मैत्री बढ़ा सकते हैं और मंत्रमुग्ध कर सकते हैं। अतः पत्र लेखन एक ऐसी कला है जिसके लिए बुद्धि और ज्ञान की परिपक्वता, विचारों की विशालता, विषय का ज्ञान, अभिव्यक्ति की शक्ति और भाषा पर नियंत्रण की		

INDEX

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं
विशेषता	पत्र लेखन की अनेक विशेषता है। (1) सरलता (2) स्पष्टता (3) संक्षिप्तता (4) आकर्षकता तथा मौलिकता (5) उद्देश्य पूर्णता (6) शिष्टता (7) चिन्हांकन	

मूल्यांकन :

छा० अ० अपने द्वारा पढ़ाए गए पाठ का मूल्यांकन करने के लिए छात्र निम्न प्रश्न प्रश्न पूछेंगे।

(1) प्रार्थना पत्र का पहला भाग कौन सा है।
(2) पत्र में अभिवादन के बाद किया लिखा जाता है
(3) पत्र के मुख्य रूप से कितने भाग होते है

गृहकार्य

छा० अ० छात्रों को निम्नलिखित कार्य घर से करके लाने को कहेंगे।

(1) प्रधानाचार्य को फीस के लिए पत्र लिखकर लाना है।

INDEX

LESSON NO. : 8

Date : 11.02.22
Pupil Teacher's Name :
Class : VII th
Subject : Hindi
Duration of the period : 40 Min
Pupil Teacher's Roll No :
Average Age of the pupils : 13 years
Topic : भाषा का अर्थ व प्रकार

समान्य उद्देश्य :

(1) छात्र भाषा को परिभाषित कर सकेगे।
(2) छात्र भाषा के प्रकारो का वर्णन कर सकेगे।
(3) छात्र भाषा का दैनिक जीवन में प्रयोग कर सकेगे।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :

ज्ञानात्मक उद्देश्य - छात्र भाषा को परिभाषित कर सकेगे।
बोधात्मक उद्देश्य - छात्र भाषा व प्रकार की व्याख्या करेगे।
प्रयोगात्मक उद्देश्य - छात्र भाषा को विस्तार में अध्ययन कर सकेगे।

अनुदेशात्मक सामाग्री :-

समान्य सामग्री - श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतक आदि
विशिष्ट सामग्री - भाषा व प्रकार को दर्शाता चार्ट।

प्रारम्भिक व्यवहार :-

छा० अ० यह अनुमान लगाते है कि छात्र भाषा के बारे में समान्य जानकारी रखते है।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छा० अ० छात्रो के पूर्वज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न पूछेगे।

छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रियाएं
(1) पृथ्वी पर सर्वश्रेष्ठ प्राणी कौन है।	मानव
(2) ईश्वर द्वारा प्राप्त मानव को कौन सी अनोखी शक्ति प्राप्त है।	कोई उत्तर नहीं
(3) जिस साधन द्वारा मनुष्य अपने भावना का आदान प्रदान करते है।	कोई उत्तर नहीं

उपविषय की घोषणा :- छा० अ० अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर ना पाकर यह घोषणा करते है कि आज हम भाषा और प्रकार के बारे में पढ़ेगे।

प्रस्तुतीकरण :-

(1) छात्रों को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जाये।

(2) श्यामपट्ट पर कार्य साथ-साथ किया जाएगा।

(3) छात्रों का सक्रीय सहयोग लिया जाएगा।

CLASS - 4TH

शिक्षण बिं०	छा० अ० क्रियाएं	छा० क्रि०	श्यामपट्ट
भाषा	भाषा मानव मुख से निकली सार्थक ध्वनियाँ है जो दूसरे तक अपनी बात पहुंचाने का काम करती है। मुख से निकलने वाली ये ध्वनियाँ अर्थपूर्ण शब्दों का निर्माण करते है। इन शब्दों से वाक्यों की रचना होती है जिनके माध्यम से हम भावना और विचारों को प्रकट करते है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।	
प्रश्न :	ज्ञानवर्धन और अभिव्यक्ति का सबसे सरल साधन कौन सा है।	भाषा	
परिभाषा	अच्छा बच्चों भाषा की परिभाषा हुई "भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट कर सकते है।"		
	दूसरे शब्दों में भाषा लोगों की एक-दूसरे के विचारों का आदान-प्रदान करने में सहायता करती है। विचारों का आदान-प्रदान भाषा को		

CLASS - 4TH

शिक्षण क्रि०	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रि०	श्या
	लिखकर, बोलकर, गाकर और महसूस (छोल) करके हो सकता है। किसी भी भाषा को लोगों को एक विशिष्ट समूह के द्वारा प्रयोग किया जाता है। इसलिए संसार में हजारों भाषाएँ बोली जाती है		
भाषा के प्रकार	भाषा के मुख्य रूप से 2 प्रकार होते है। (1) मौखिक (2) लिखित		
मौखिक रूप	भाषा का मुख्य कार्य वक्ता की बात को दूसरों तक बोलकर पहुँचाता है।		
प्रश्न :	भाषा का मुख्य कार्य क्या है।	दूसरों तक बातों को पहुँचाना	
लिखित रूप	भाषा की माध्यम से ही मनुष्य बोलकर ही नहीं लिखकर भी अपने विचारों को प्रकट कर सकता है।	भाषा के प्रकार मौखिक लिखित संकेतीय	

शिक्षण क्रि०	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रि०	श्यामपट
	इस प्रकार भाषा के आकार है। इसका तीसरा भाग संकेतीय भाषा है।		
संकेतीय भाषा	इन दोनों प्रकार के अतिरिक्त तीसरा भेद है कि इसमें भाषा का उपयोग गूंगे, बहरे के लिए होता है। इसके द्वारा गूंगा व्यक्ति अपनी बात संकेतों के द्वारा समझा सकता है। इन सब भाषाओं का प्रयोग सामान्यतः अपने अपने क्षेत्रों में होता है। यह भाषा का मौखिक रूप ही अधिकतर लोग मौखिक भाषा का प्रयोग करते है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	
प्रश्न :	भारतीय संविधान में कितनी भाषाएँ स्वीकृत की गई है।	22 भाषाएँ	
प्रश्न :	संसार में अलग-अलग क्षेत्रों में अनेक भाषाएँ होती है :- भारतीय भाषा — विदेशी भाषाएँ कर्नाटक - कन्नड ⇔ इंग्लैण्ड - अंग्रेजी पंजाब - पंजाबी ⇔ चीन - चीनी उड़ीसा - उड़िया ⇔ जर्मन - जर्मनी	छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे है।	

INDEX

CLASS - 4TH

मूल्यांकन :-

छा० अ० अपने द्वारा पढ़ाए गए पाठ का मूल्यांकन करने के लिए छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।

(1) भाषा किसे कहते है।
(2) भाषा के कितने भेद है।
(3) संविधान में कितनी भाषाएँ स्वीकृत की गई।

गृहकार्य :-

छा० अ० छात्रों को निम्नलिखित कार्य घर से करके लाने को कहेंगे।

(1) भाषा का अर्थ व परिभाषा लिखकर व याद करके लानी है।

(2) सांकेतिक भाषा किसे कहते है।

LESSON NO.: 9

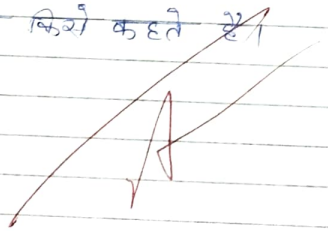

Date: 13.02.22 — Duration of the period: 35 Min
Pupil Teacher's Name: [illegible] — Pupil Teacher's Roll No.: [illegible]
Class: VII — Average Age of the pupils: 13 years
Subject: [illegible] — Topic: हरियाणा के पर्यटन स्थल

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्र पर्यटन स्थलों को परिभाषित कर सकेंगे।
(2) छात्र पर्यटन स्थलों की व्याख्या कर सकेंगे।
(3) मानचित्र पर पर्यटन स्थलों को चिन्हित कर सकेंगे।

अनुदेशात्मक सामग्री :-

सामान्य सामग्री - श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, संकेतक आदि
विशिष्ट सामग्री - पर्यटक स्थलों का एक चित्र।

प्रारंभिक व्यवहार :-

छा० अ० छात्रों से यह अनुमान लगाते हैं कि छात्र हरियाणा के पर्यटन स्थलों के विषय में सामान्य जानकारी रखते है।

पूर्वज्ञान परीक्षा :-

छा० अ० छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।

छा० अ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1) हमारे देश का क्या नाम है।	भारत
(2) इसमें कितने राज्य है।	28 राज्य

INDEX

ACCOUNT HEAD

	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
(3)	हमारे राज्य का क्या नाम है।	हरियाणा
(4)	हरियाणा में कौन कौन से स्थल देखने योग्य है।	फरीदाबाद, पिंजौर, करनाल, कुरूक्षेत्र
(5)	पर्यटन स्थल किसे कहते है।	कोई उत्तर नहीं

उपविषय की घोषणा :-

छा० अ० अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर ना पाकर यह घोषणा करते है कि आज हम हरियाणा के पर्यटन स्थल के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :-

(1) पाठ को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जायेगा।
(2) पाठ को प्रश्नोत्तर विधि से पढ़ाया जायेगा।
(3) छात्रों का सक्रीय सहयोग लिया जायेगा।

INDEX

CLASS - 4TH

87

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	श्यामपट्ट
आदेश वाचन	छा० अ० सर्वप्रथम छात्रों से प्र० सं० 49 खोलने के लिए कहेंगें। पाठ को शुद्ध उच्चारण करेंगे। भारत में अनेक पर्यटन स्थल है। इस क्षेत्र में हमारे हरियाणा की बात ही कुछ और है तथा हरियाणा ने इस क्षेत्र में देश को नई दिशा दी है। इस समय हरियाणा के क्षेत्र में पर्यटन स्थल है जिनमें पर्यटकों की सुख सुविधा का पूरा ध्यान दिया जाता है।		
अनुकरण वाचन	छा० अ० सस्वर वाचन करने के बाद छात्रों से पाठ का सस्वर वाचन करने के साथ साथ उनकी अशुद्धियों को भी ठीक करवाएंगे।	छा० पाठ का सस्वर वाचन करते है।	
कठिन शब्दों की व्याख्या	छा० अ० छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ बताएंगें। पर्यटनस्थल - देखने योग्य स्थान सुव्यवस्था - अच्छी व्यवस्था		
व्याकरण सम्बंधी व्याख्या	छा० अ० छात्रों को पाठ में प्रयुक्त व्याकरण संम्बधी व्याकरण की व्याख्या करवाएंगे। सुव्यवस्था - सु + व्यवस्था ↑ उपसर्ग श्री गणेश हुआ मुहावरा है। इसका अर्थ है आरम्भ होना		

INDEX

ACCOUNT HEAD

शिक्षण बिंदु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
मौन वाचन	छा० अ० छात्रों को मौन वाचन करते हुए अर्थ ग्रहण करने के लिए कहेंगे।	
बोधात्मक प्रश्न	छा० अ० छात्रों से पाठ में आए हुए प्रश्न का भी बोध करवाएँ। (1) हरियाणा में कितने पर्यटन स्थल है। (2) मोहना गुड़गाँव से कितनी दूर है। (3) बड़खल झील कहाँ है। (4) कुरुक्षेत्र किसलिए प्रसिद्ध है।	

मूल्यांकन :-

छा० अ० छात्रों के अपने उपविषय का मू[illegible] करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।

(1) पर्यटन स्थल किसे कहते है।
(2) मोहना किसलिए प्रसिद्ध है।
(3) हरियाणा में कितने पर्यटन स्थल है।
(4) बड़खल झील कहाँ है।

गृहकार्य :

पाठ में आए हुए कठिन शब्दों का वाक्य प्रयोग करके लाना है।

INDEX

CLASS - 4TH

LESSON NO. : 10.

Date : 14.02.23
Pupil Teacher's Name :
Class : VII th
Subject : Hindi

Duration of the period : 35 Min
Pupil Teacher's Roll No. :
Average Age of the pupils : 13 years
Topic : लिंग व भेद

सामान्य उद्देश्य :-

(1) छात्र लिंग को परिभाषित कर सकेंगे।
(2) छात्र लिंग के भेदों का वर्णन कर सकेंगे।
(3) छात्र शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।

अनुदेशात्मक उद्देश्य :

सामान्य सामग्री = श्यामपट्ट, चॉक, झाड़न, संकेतक आदि
विशिष्ट सामग्री - लिंग व भेदों को दर्शाता चार्ट।

प्रारंभिक व्यवहार :

छा० अ० छात्रों से यह अनुमान लगाते है कि छात्रों को लिंग के बारे में सामान्य जानकारी है।

पूर्वज्ञान परीक्षा :

छा० अ० छात्रों के पूर्वज्ञान के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।

छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
(1) ज्योति, अतीव - ये दोनों क्या है।	व्यक्ति का नाम
(2) इन दोनों में क्या अन्तर है।	एक लड़की का नाम और लड़का का नाम
(3) इन दोनों वाक्यों की रचना से क्या पता चलता है।	कोई उत्तर नहीं

उपविषय की घोषणा :-

छात्र अध्यापक अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर ना पाकर यह घोषणा करते है कि बच्चों आज हम लिंग व इसके भेदों के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण :

(1) पाठ को सरल व रोचक ढंग से पढ़ाया जाएगा।
(2) पाठ को उदाहरण विधि से पढ़ाया जाएगा।
(3) छात्रों का सक्रीय सहयोग लिया जाएगा।

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
लिंग	छा० अ० छात्रों को बताएंगे कि दोनो वाक्यों में लड़का तथा लड़की के अर्थात लिंग के कारण परिवर्तन आया है। एक वाक्य में यह पता चलता है कि यह स्त्री जाति के लिए प्रयोग हुआ है। यह जाना जाए कि "कोई शब्द पुरुष जाति के लिए प्रयुक्त होता है या स्त्री जाति के लिए उसे लिंग कहते हैं।"		
प्रश्न :	लिंग किसे कहते हैं।	स्त्री व पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्दों को लिंग कहते है।	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	श्यामपट्ट
लिंग के भेद	लिंग के 2 भेद है: (1) स्त्रीलिंग (2) पुल्लिंग		लिंग के भेद (1) स्त्रीलिंग (2) पुल्लिंग
प्रश्न : 1	लिंग के कितने भेद है।	2	
प्रश्न : 2	लड़की लक्ष्मी रानी से किस लिंग का बोध होता है।	स्त्री लिंग का	
स्त्रीलिंग	अतः स्त्रीलिंग की परिभाषा हुई "जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है या लोक व्यवहार जिन्हें स्त्री जाति को जान लिया जाता है उसे स्त्रीलिंग कहते है।		
प्रश्न :	स्त्रीलिंग किसे कहते है।	जिन शब्दो से स्त्री जाति का बोध हो।	
पुल्लिंग	घोड़ा, हाथी, लड़का, मोर, बकरा, कुत्ता, भवन, राजा किस लिंग का बोध करवाते है।	पुरुष लिंग का	
	अतः पुल्लिंग की परिभाषा हुई "जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है उसे पुल्लिंग कहते है।		
प्रश्न :	पुल्लिंग किसे कहते है।	जिन शब्दो से पुरुष जाति का बोध होता है	

मूल्यांकन :-

छा० अ० छात्रो से पढ़ाए गए पाठ का मूल्यांकन करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेगें।

(1) लिंग किसे कहते हैं।
(2) पुल्लिंग किसे कहते हैं।
(3) लिंग के कितने भेद है।
(4) कमला कौन सा लिंग है।

गृहकार्य :

छा० अ० छात्रो को निम्नलिखित कार्य घर से करके लाने को कहते है।

(1) स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दो को छाँटे :

राज, सीता, ज्योति, नीरज, मिनाक्षी, रश्मी, रिया, पीयूष, प्रेरणा, निधि, बलराम, भुपेन्द्र

DISCUSSION
LESSON

LESSON NO.: 1

Date : 09.03.22

Pupil Teacher's Name:

Class : VII th

Subject: Hindi

Duration of the period: 35 Min

Pupil Teacher's Roll No.:

Average Age of the pupils: 13 years

Topic: समास व उसके भेद

सामान्य उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण का ज्ञान हो जाएगा ।
(2) विद्यार्थी भाषा को शुद्ध उच्चारण करना सीख लेंगे ।
(3) विद्यार्थियों में हिन्दी शिक्षण रूचि बढ़ेगी ।

ज्ञानात्मक उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास होगा ।
(2) विद्यार्थियों का मनोरंजन होगा ।
(3) विद्यार्थी समास क्या होता है उसके बारे में जानेगें ।

बोधात्मक उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थियों को समास के भेदों का ज्ञान होगा
(2) विद्यार्थियों को समास का सही ज्ञान होगा ।
(3) विद्यार्थी विभिन्न समासों के बीच अंतर को समझेंगे ।

प्रयोगात्मक उद्देश्य :-

(1) विद्यार्थी समासों का वाक्यों में सही प्रयोग करना सीखेंगें।
(2) विद्यार्थी समासों से शब्दों का उच्चारण सही करना सीखेंगें।
(3) विद्यार्थी कल्पना शक्ति का प्रयोग करेंगें।

आवश्यक सामाग्री :-

श्यामपटट, चॉक, झाड़न, चार्ट, संकेतन आदि।

पूर्वज्ञान परीक्षण :-

छात्र अध्यापक विद्यार्थियों से अपने उपविषय पर चर्चा करने से पहले उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछेंगें।

छात्र अध्यापक क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1) 'राधा' खाना खा रही है? इसमें राधा क्या है?	व्यक्ति का नाम
(2) 'नाम' क्या है?	संज्ञा
(3) 'वह' कौन है। उसमें वह क्या है?	सर्वनाम
(4) वह साथ - साथ बाजार जा रहे हैं। इसमें साथ - साथ क्या है?	?
(5) वह कौन है? इसमें वह क्या है?	?

उपविषय की घोषणा :-

छात्र अध्यापक विद्यार्थियों से अपने अंतिम प्रश्न का उत्तर संतोषजनक ना पाकर अपने उपविषय की घोषणा करते हैं कि बच्चों आज हम समास व इसके भेदों के बारे में विस्तारपूर्वक पढ़ेंगे।

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रि०	श्यामपटट
समास	दो सम्बन्ध पदों को पास - पास लाकर एक सार्थक शब्द बनाने को समास कहते हैं।	विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगें।	
समास के भेद	समास के छः भेद हैं। (1) अव्ययीभाव समास (2) तत्पुरूष समास (3) द्विगु समास	विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका मे उतारेंगें	

शिक्षण बिन्दु	छात्र अ० क्रियाएँ	छात्र क्रि०	श्यामपट्ट
	(4) द्वन्द्व समास (5) बहुव्रीही समास (6) कर्मधारय समास		
प्रश्न :	समास के कितने भेद होते हैं ?	छः भेद	
अव्ययीभाव समास	उस समास का पहला पद प्रधान होता है और दूसरा पद अव्यय की तरह कार्य करता है उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। उदाहरण – यथाशक्ति, अतिभयोक्ति आदि	विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे	
प्रश्न :	समास के कितने प्रकार होते हैं ?	छः	
तत्पुरुष समास	जहाँ पूर्व पद विशेषण का कार्य करता है उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। उदाहरण – नीलकण्ठ		

शिक्षण बिन्दु	छात्र अ० क्रियाएँ	छात्र क्रि०	श्यामपट्ट
द्विगु समास	जिस शब्द में पहला पद संख्या वाची हो उसे द्विगु समास कहते हैं।	विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	
	उदाहरण – चौराहा, त्रिलोक		
कर्मधारय समास	जिस समास के दोनों पदों में विशेषण विशेष्य का सम्बन्ध होता है उसे कर्मधारय समास कहते हैं। उदाहरण – चंद्रमुख = चंद्र जैसा मुख कमलनयन = कमल के समान नयन		
द्वन्द्व समास	जिस समास के दोनों पद प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर 'और', अथवा 'या' एवं लगता है, वह द्वन्द्व समास कहलाता है। उदाहरण – पाप - पुण्य =		

शिक्षण बिन्दु	छा० अ० क्रियाएँ	छा० क्रि०	उपागमपत्र
	पाप और पुण्य ऊंच - नीच = ऊंच और नीच		
बहुव्रीहि समास	जब दो शब्द समास युक्त होकर तीसरे शब्द का विशेषण बन जाता है तो उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं। उदाहरण – पीताम्बर = पीत है अम्बर जिसका अर्थात श्री कृष्ण नीलकण्ठ = नीला है कण्ठ जिसका अर्थात शिव		

मूल्यांकन :-

छा० अ० छात्रों का मूल्यांकन करने के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछेंगे।

(1) समास किसे कहते हैं?

(2) समास के कितने भेद होते हैं?

(3) अव्ययीभाव समास किसे कहते हैं?

(4) तत्पुरुष समास किसे कहते हैं?

गृहकार्य :-

छा० अ० छात्रों को निम्नलिखित प्रश्न घर से करके लाने को कहेंगे;

(1) सभी समासों को उदाहरण सहित उत्तर दीजिए?

(2) समास किसे कहते हैं? समास के भेदों को संक्षेप में बताइए?